

Chapter: 1 to 4

विभाग १ - गद्य

प्र.१ (अ) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए (गद्य)

(8)

बहुमंजिला इमारत की दीवार नींव से उठ रही थी। ठेकेदार नया था। भयभीत-सा वह एक तगारी सीमेंट और पाँच तगारी रेत के मसाले से ईंटों की जुड़ाई करवा रहा था। अगले दिन अधिकारी महोदय आए। उन्होंने काम के प्रति घोर असंतोष व्यक्त किया। महोदय बोले - “ऐसा काम करना हो तो कहीं और जाइए।”

अगले दिन सशक्त नये ठेकेदार ने एक तगारी सीमेंट और तीन तगारी रेत के मसाले से ईंटों की जुड़ाई की। संबंधित अधिकारी आए। उन्होंने नींव की दीवार पर एक निगाह डाली और गरम हो गए। इस बार ठेकेदार को अंतिम चेतावनी दी, ‘यदि कल तक काम में पर्याप्त सुधार नहीं किया गया तो काम बंद करवा दिया जाएगा।’

जब नये ठेकेदार की समझ में बात नहीं आई तो उसने एक अनुभवी ठेकेदार से इस समस्या पर उसकी सलाह चाही। अनुभवी ठेकेदार ने बताया कि ये महोदय रिश्वत चाहते हैं। इसीलिए काम में कमी बता रहे हैं। नया ठेकेदार ईमानदार था। वह रिश्वत देने-लेने को अपराध समझता था। उसने भ्रष्ट अधिकारी को पाठ पढ़ाने का निश्चय कर लिया।

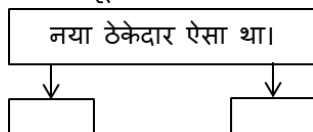
अगले दिन अधिकारी महोदय निरीक्षण करने आए। ठेकेदार ने उन्हें रुपयों से भरा लिफाफा पकड़ा दिया। अधिकारी प्रसन्न होकर जैसे ही जाने लगे वैसे ही एकाएक वहाँ उच्च अधिकारी आ गए। अधिकारी महोदय रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़े गए।

वस्तुतः रात में ही ईमानदार ठेकेदार ने अधिकारी महोदय के खिलाफ उच्च अधिकारी के पास शिकायत कर दी थी। उच्च अधिकारी ईमानदार थे। उन्होंने कहा - “कुछ एक भ्रष्ट अधिकारियों के कारण ही पूरा प्रशासन बदनाम होता है।” उन्होंने भ्रष्ट अधिकारी को दंड दिलवाने का निर्णय ले लिया। सच ही कहा है - ‘बुरे काम का बुरा नतीजा।’ ठेकेदार और उच्च अधिकारी की ईमानदारी का समाचार चारों तरफ फैल गया। उनका सार्वजनिक समारोह में सम्मान किया गया।

1 A1) ..

2

i. संजाल पूर्ण कीजिए।



ii. वाक्य पूर्ण कीजिए।

१. अधिकारी ने नींव की दीवार पर एक।

२. अनुभवी ठेकेदार ने बताया कि ये।

A2) ..

2

निम्न शब्दों के लिए प्रश्न तैयार कीजिए।

i. रिश्वत

ii. ईमानदार

A3) ..

2

i. निम्नलिखित शब्दों के विशेषण रूप लिखिए।

१. बुरा -

२. बदनाम -

ii. समानार्थी शब्द अनुच्छेद से ढूँढकर लिखिए।

१. महकमा -

२. खबर -

A4) ..

2

स्वमत अभिव्यक्ति।

'ईमानदारी व्यक्ति को अच्छाई के मार्ग पर ले जाती है' विषय पर अपने विचार २५ से ३० शब्दों में लिखिए।

(ब) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

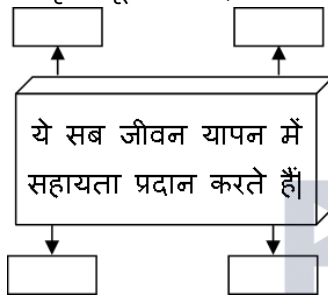
(4)

भारत के आर्य ऋषियों ने आज से शत-सहस्र वर्ष पूर्व पर्यावरण के प्रति अपने उत्तरदायित्व का अनुभव किया था और कहा था "प्रकृति हमारी माता है, जो अपना सर्वस्व अपने बच्चों को अर्पण कर देती है।" "हम प्रकृति की गोद में खेलकर, लोटपोट कर बड़े होते हैं और वह हमारी समस्त आवश्यकताओं की पूर्ति करती है। धरती, नदी, पहाड़, मैदान, वन, पशु-पक्षी, आकाश, जलवायु आदि सब जीवन यापन में सहायता प्रदान करते हैं। पर्यावरण प्रदूषण प्रकृति के संतुलन को बिगाड़ना है। एक सीमा विशेष के बाहर प्रकृति का संतुलन बिगड़ जाने की स्थिति में मानव अस्तित्व ही खतरे में पड़ सकता है।

1 A1) ..

2

आकृति पूर्ण कीजिए।



A2) ..

2

स्वमत।

'पर्यावरण प्रदूषण' का जिम्मेदार मनुष्य स्वयं है।' इस कथन के आधार पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

विभाग २ - पद्य

पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए (पद्य)

(6)

वो छोटा, मैं हूँ बड़ा, ये बातें निर्मूल,
उड़कर सिर पर बैठती, निज पैरों की धूल।

(6)

नफरत ठंडी आग है, इसमें जलना छोड़,
टूटे दिल को प्यार से, जोड़ सके तो जोड़।

पौधे ने बाँटे नहीं, नाम पूछकर फूल,
हमने ही खोले बहुत, स्वारथ के इस्कूल।

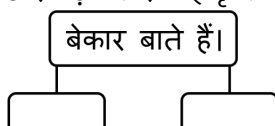
धर्म अलग, भाषा अलग, फिर भी हम सब एक,
विविध रंग करते नहीं, हमको कभी अनेक।

1 A1) ..

2

अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

i.



- ii. इन बातों में अलग होकर
भी हम सब एक हैं

A2) ..

2

- i. समानार्थी शब्द अनुच्छेद से ढूँढकर लिखिए।
 १. शीश -
 २. पुष्प -
 ii. पद्यांश में प्रयुक्त विलोम शब्दों की जोड़ियाँ लिखिए।
 १. २.

A3) ..

2

भावार्थ लिखिए।
 पौधे ने बाँटे नहीं, नाम पूछकर फूल,
 हमने ही खोले बहुत, स्वारथ के इस्कूल।

 धर्म अलग, भाषा अलग, फिर भी हम सब एक,
 विविध रंग करते नहीं, हमको कभी अनेक।

विभाग ३ - भाषा अध्यन (व्याकरण)

प्र. (1) अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए

(1)

३

एक राजा के चार बेटियाँ थी।

(2) निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त अव्यय ढूँढकर उसका भेद लिखिए

(1)

मैं इस क्षण सक्रिय हो जाऊँगा।

(3) सुचना के अनुसार कालपरिर्तन किजिए

(1)

जीवन सार्कथकता पाएगा। (सामान्य वर्तमानकाल)

विभाग ४ - रचना विभाग

प्र. पत्र लेखन

(4)

४.

प्र. कमल / कमल सदाना, शनिवार, पेठ, पुणे से व्यवस्थापक, नवजीवन स्पोर्ट्स क्लब, नासिक को पत्र लिखकर
 ४. खेल सामग्री मंगवाता / मंगवाती है।

(4)

OR

मुकेश / मोहिनी अग्रवाल ३०२, इंद्रपथ अपार्टमेंट दिल्ली से आर. एस. सी. ५, दत्त मंदिर रोड, पालघर
 अपने दादाजी को कराटे सीखने के लिए अनुमति माँगते हुए पत्र लिखता / लिखती है।